विधान परिषद के तृतीय सत्र, 2023 के प्रथम शुक्रवार के लिए निर्धारित श्री भीमराव अम्बेडकर, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछा गया अतारांकित प्रश्न-19 का उत्तर।

प्रश्न	उत्तर
19 (क) क्या जल शक्ति मंत्री बतायेंगे कि जनपद-इटावा में यमुना नदी का जल स्तर मानक से कम रहता है?	केन्द्रीय जल आयोग द्वारा अभी तक यमुना में जल स्तर का मानक निर्धारित नहीं किया गया है।
(ख) यदि हां, तो क्या कम जल स्तर रहने के कारण जलीय जीवों व पर्यावरण को हानि होती है?	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित जलगुणता के मानकों के अन्तर्गत "प्रोपेगेशन ऑफ वाइल्ड लाइफ एण्ड फिसरीज" हेतु जलगुणता की श्रेणी-डी निर्धारित है। सतही जल में पी0एच0 की मात्रा 6.5 से 8.5, घुलित आक्सीजन 4.0 मिलीग्राम/लीटर अथवा अधिक, फ्री अमोनिया 1.2 मिलीग्राम/लीटर से कम होना निर्धारित है। सतही जल (नदियों, झीलों आदि) में जलगुणता निर्धारित मानकों के अनुरूप समुचित जल स्तर तथा जल का बहाव बना रहना आवश्यक है, अन्यथा जल प्रदूषकों की मात्रा में वृद्धि एवं घुलित आक्सीजन की मात्रा में कमी आती है, जिससे जलीय जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना होती है।
(ग) क्या यमुना नदी को संरक्षित करने के लिए कोई कार्य योजना बनाकर पर्यावरण को सुरक्षित करायेंगे?	इटावा में यमुना नदी में अशोधित सीवेज उत्प्रवाह को रोकने हेतु नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत परियोजना पूर्ण की जा चुकी है, तथा सम्प्रति संचालन व अनुरक्षण किया जा रहा है।
(घ) यदि हॉ, तो कब तक?	प्रश्न नहीं उठता।
(ड) यदि नहीं, तो क्यों?	प्रश्न नहीं उठता।

स्वतंत्र देव सिंह
मंत्री जलशक्ति,
सिंचाई, जल संसाधन, सिंचाई (यांत्रिक) बाढ़, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति, लघु सिंचाई एवं परती भूति विकास विभाग, उत्तर प्रदेश।